सार्वजनिक अवकाश की मांग

बीकानेर । अखिल भारतीय सफाई श्रमिक कांग्रेस ने मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा व स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा को राज्य निकायों की नगर पालिका,परिषद, निगम-बोर्डों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आज तक सार्वजनिक अवकाश घोषित न होने पर बेहद अफसोस जताते हुए इसे क्षोभजनक बताया ।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वाल्मीकि मुकेश राजस्थानी ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने वाल्मीकि समुदाय के आराध्य देव, सर्वपूजनीय व आध्यात्मिक धर्मगुरु महर्षि वाल्मीकि भगवान् प्राकाट्य दिवस पर संगठन द्वारा वर्षों-वर्ष निरतंर लिखने के बाद भी आज तक राज्यव्यापी सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है। जबकि भजनलाल शर्मा सरकार का एक वर्षीय कार्यकाल पूरा होने पर भी इस सरकार ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर उनकी उपेक्षा-तिरस्कार को निंदनीय कार्यकाल बताया। अ.भा. सफाई श्रमिक कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राजस्थानी ने बताया कि बहुसंख्यक वाल्मीकि समुदाय राज्य निकायों में सफाई कार्मिक कार्यरत हैं। पर सरकारों ने इस वर्ग की धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचाते हुए राज्य निकायों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आज तक सार्वजनिक राजपत्रित अवकाश घोषित नहीं हैं। संगठन ने इसे गंभीरता से लेते हुए इसे क्षोभजनक बताया है ।

करुणा क्लब इकाई ने मनाया राष्ट्रीय महिला दिवस

- राष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया
- राष्ट्रीय महिला दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी और कवयित्री जिन्हें भारतीय की कोकिला के नाम से विख्यात सरोजनी नायडू के जन्मदिवस पर मनाया जाता है।

बीकानेर । शीतला गेट स्थित शांति विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय की करूणा क्लब इकाई और स्काउट गाइड के इको क्लब सदस्यों द्वारा 13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाला प्रधान हनुमान छींपा ने किया। हनुमान छींपा ने बताया कि यह दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी और कवयित्री जिन्हें भारतीय की कोकिला के नाम से विख्यात सरोजनी नायडू के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। सरोजिनी नायडू के याद में महिलाओं के मुक्ति के प्रस्तावक के रूप में उनकी भूमिका को स्वीकार करते हुए भारत सरकार ने 13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में घोषित किया गया।

इस अवसर पर शाला के संस्थापाक कब मास्टर रमेश कुमार मोदी ने बताया कि राष्ट्रीय महिला दिवस और अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी भिन्नता बताई हुए कहा कि दोनों अलग अलग दिन है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को तथा राष्ट्रीय महिला दिवस 13 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिवस एक राष्ट्रीय श्रद्धांजलि है जिस का उद्देश्य सरोजनी नायडू की जयंती का सम्मान करना है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए हमारी शाला की करुणा क्लब छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। साथ ही इस अवसर पर महिलाओं के सम्मान हेतु शाला की अभिभावक सदस्या श्रीमति शांता दैय्या ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। साथ ही अध्यापिका नीतू एवं गायत्री राठौर ने भी अपने विचार रखते हुए बताया कि नारी ने पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक ऐसी उड़ान पाई, जिसने समस्त नारी जाति के सुकड़े पंखों में भर दी जान। आज 21वीं सदी में नारी ने अपनी शक्ति को पहचाना और अपने अधिकार के प्रति जागरूक हुई तथा पूर्ण निष्ठा के साथ हर उस चुनौती को स्वीकार करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का साहस दिखाया है, साहस ही नहीं बल्कि कुछ क्षेत्रों में पुरूषों से आगे भी निकल गई। परन्तु आज भी कई स्थानों पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम आंका जा रहा है, आज भी कुछ क्षेत्रों में बच्चियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता है और रूढ़िवादिताओं का सम्मान किया जाता है। करूणा क्लब प्रभारी सौरभ बजाज ने बताया कि राष्ट्रीय महिला दिवस 13 फरवरी 2014 से मनाया जाना शुरू किया जबकि अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 1921से मनाया जाना शुरू किया गया। कार्यक्रम का संचालन शाला की करुणा क्लब टीम की बालिकाओं द्वारा किया गया।

पेंशनधारियों में आक्रोश : राजस्थान रोडवेज सेवानिवृत कर्मचारी एसोसियेशन के शाखा सचिव गिरधारीलाल ने बताया कि केन्द्रीय श्रम विभाग के अधीनस्थ करमचारी भविष्य निधि संगठर्न कर्मचारियों के वेतन पर अंशदान कटौती बाद अधिनियम 1952 व 1995 के तहत न्यूनतम पेंशन 1000 से 3000 दी जा रही है जिससे जीवनयापन संभव नहीं होने से माननीय सुप्रीम कोर्ट में एथ्ड्ड 8658-8659 सुनील कुमार व अन्य में याचिका लगाई गई जिस पर 04.11.2022 को फेसले में उच्च वेतन पर पेंशन बढाने के इपीएफओ को आदेश दिये। इपीएफओ ने करमचारियों से ओनलाईन ओप्सन फार्म मांगें जाने पर अप्रैल 2023 में फार्म भरे गये।ईपीएफओ द्वारा बार-बार आदेश,सर्कुलर निकालते रहने से असंमजस की स्थिति बनी रही।भरे गये ओपसन फामी पर लंबे समय से कोई कार्यवाही नहीं की गई।

इपीएफओ जोधपुर ने आदेश संख्या 9640 दिनांक25.01.25 द्वारा भरे गये ओनलाइन फामी को विभिन्न आक्षेप लगा कर स्वीकार नहीं करने से मना कर दिया।बे -वजह आक्षेप लगाते हुए राजस्थान व रोडवेज के नागोर, सिरोही, गंगानगर, हनुमानगढ़, आबूरोड, डिपो के ओपसन फामी को भी रिजेक्ट कर देने की जानकारी प्राप्त हो रही है।जिससे ईपीएस 95 पेंशनधारियों में आक्रोश हो गया।इस बाबत रोडवेज के मुख्य प्रबंधक से 10 फरवरी 25 को मिलने पर बताया गया कि इस प्रकार के आक्षेपों की उन्हें जानकारी नहीं होने का कहने पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आदेश उन्हें दिखाये गये। सचिव ने इस प्रकरण की जानकारी 10फरवरी को जरिये इ.मेल द्वारा इपीएफओ जोधपुर भेजा गया जिसका आज तक कोई जवाब नहीं आया है। एसोसिएशन, बीकानेर के पदाधिकारियों ने बैठक कर इस गंभीर प्रकरण पर ईपीएफओ को जवाबदेही करनी चाहिए।

जागरूकता व्याख्यान आयोजन

बीकानेर । राजकीय विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीकानेर में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. भगवाना राम बिश्नोई की अध्यक्षता में राजस्थान राज्य महिला नीति के अंतर्गत 'विद्यार्थियों हेतु सामाजिक कल्याण योजनाएं' विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अरविंद आचार्य (सहायक निदेशक, सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता विभाग) बीकानेर रहे हैं उन्होंने सर्वप्रथम विभाग संबंधी जानकारी दी और इसके पश्चात विद्यार्थियों को सरकार द्वारा चलाई जाने वाली महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, मुख्यमंत्री दिव्यांगजन स्कूटी योजना, वृद्धजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना आदि महत्वपूर्ण योजनाओं से अवगत करवाया कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. मीनाक्षी कुमावत ने बताया कि महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से करवाता रहता है इस जागरूकता व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चलाई जाने वाली कई महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रक्रिया समझी जिनका वह आगे चलकर स्वयं भी लाभ उठाएंगे तथा समाज को भी इन योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगे कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की सह-आचार्य डॉ. कुमुद जैन द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

ठाकुरजी के साथ खेल रहे फाग

बीकानेर । माघी पूर्णिमा के साथ ही शहर के वैष्णव मंदिरों में श्रद्धालु बड़े कटोरों में गुलाल भर के ठाकुरजी के साथ फाग खेलने लगे हैं। बसंत पंचमी से वैष्णव मंदिरों में अब मंगला आरती से शयन आरती तक होरी के गीत ही गाए जा रहे हैं। शहर में सात वैष्णव मंदिर है। इन मंदिरों में बसंत पंचमी से माघी पूर्णिमा तक एक चुटकी गुलाल से ठाकुरजी के साथ भक्त फाग खेलते थे। वो अब माघी पूर्णिमा से बड़े कटोरों में गुलाल भरकर ठाकुरजी से फाग खेलना शुरू कर दिया है।

अब यह सिलसिला डोलोत्सव तक जारी रहेगा। इस बार डोलोत्सव धुलंडी के दिन है। इससे पहले 10 मार्च को आमलकी एकादशी से ठाकुरजी के हाथों में पिचकारी दे दी जाएगी। यानी इस दिन के बाद ठाकुरजी डोलोत्सव तक पिचकारी चलाएंगे। दाऊजी मंदिर के अधिकारी बृजभूषण गोस्वामी बताते हैं कि बसंत पंचमी के बाद शहर के वैष्णव मंदिरों में फाग गीत शुरू हो जाते हैं।

माघी पूर्णिमा तक एक चुटकी गुलाल से भक्त ठाकुरजी के साथ होरी खेलते थे अब यह बड़े कटोरे गुलाल से ठाकुरजी को फाग खेलाई जाएगी। बसंत पंचमी के बाद ठाकुरजी के भोग में भी बदल गया है। माघी पूर्णिमा को खीर के बड़े का भोग लगाया जाएगा। इसके अलावा अब कभी लड्डू और ठोर भी आएंगे। संध्या आरती के बाद डोलो उत्सव तक प्रतिदिन भांग का भोग लगाया जाएगा। बीकानेर शहर में वैष्णव संप्रदाय के सात मंदिर है। इनमें बसंत पंचमी से ही ठाकुरजी के साथ फाग खेलानी शुरू हो गई है। शहर के दाऊजी मंदिर के अलावा रतनबिहारी मंदिर, श्यामसुंदर मंदिर, बिट्ठलनाथ जी मंदिर, गोवर्द्धन नाथ जी, गोपाल जी मंदिर के साथ साथ मूंधड़ा बगेची स्थित मदन मोहनजी का मंदिर वैष्णव मंदिरों में शामिल है।

वैष्णव मंदिरों में सुबह मंगला और श्रृंगार के साथ ही होरी गीत शुरू होते हैं जो शाम को शयन आरती के समय रुकते हैं। इस दौरान भक्त गीतों और भजनों के माध्यम से ठाकुरजी के साथ होरी खेलते हैं।

सुबह मंगला और श्रृंगार के समय भक्त ... अनोखे होरी खेलन लागे श्याम..., लक्ष्मण सुत गाइये, सब? मिल फाग मनाइये... गीतों के माध्यम से होरी खेली जाती है। तो राजभोग में नंद सोवन सब मिल खेलेंगे फाग... गाया जाता है। इसी तरह शाम को ... उत्थापन देखत राधे तेरे नैण, मान, मद सो भरे युवक-युवती संग खेले फाग, गौरी-गौरी गुजरिया भोली सी... और गोवर्द्धन लाला तौहे मोह रही ब्रज बाला... के साथ भक्त ठाकुरजी को शयन करवाते हैं। वैष्णव मंदिरों में इस बार डोलोत्सव धुलंडी के दिन मनाया जाएगा। डोलो उत्सव के दिन पूरे दिन मंदिर में रंग-गुलाल उड़ाई जाएगी। भक्त और ठाकुरजी रंगों के साथ होरी खेलेंगे। बताया जाता है कि अगर डोलोत्सव होली से पहले आ जाता है तो डोलो उत्सव के बाद वैष्णव मंदिरों में एक चुटकी भी गुलाल नहीं लगाई जाती चाहे होली बाद में हो।

नोखा, बीकानेर, श्रीडूंगरगढ़, खाजूवाला में 4 नई पंचायत समितियां, 30 पंचायतें भी बनेंगी

- 3000 की आबादी पर 7 वार्ड होंगे

बीकानेर, जिले में चार नई पंचायत समितियां और करीब 30 नई ग्राम पंचायत बनाने की तैयारी पूरी हो गई है। नोखा, खाजूवाला, श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा और बीकानेर तहसील में नई पंचायत समिति बनेगी।

नोखा विधानसभा में पहले से पांचू और नोखा पंचायत समिति है, लेकिन नोखा पंचायत समिति में करीब 43 पंचायतें हैं। नियम है कि 40 ग्राम पंचायतें या एक लाख की आबादी पर एक पंचायत समिति होना चाहिए। इसलिए नोखा के जसरासर में नई पंचायत बनाने की तैयारी है। छत्तरगढ़ खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है, लेकिन वहां अभी तक पंचायत समिति नहीं है, जबकि वो तहसील मुख्यालय है। ऐसे में छत्तरगढ़ में भी नई पंचायत समिति बननी है। बीकानेर तहसील में भी देशनोक को नई पंचायत समिति बनाने की तैयारी पूरी हो गई क्योंकि यहां के कुछ गांवों को नोखा और पांचू तक जाना पड़ता था।

इसके अलावा श्रीडूंगरगढ़ में पिछली बार पंचायत समिति बनाने की कोशिश थी, लेकिन घोषणा बज्जू और हदां के बाद रुक गई। यहां दिक्कत ये है कि नई पंचायत समिति का मुख्यालय तय नहीं हो पा रहा है। प्रशासन ये भी विचार कर रहा कि दोनों पंचायत समितियों का मुख्यालय श्रीडूंगरगढ़ रखा जाए। मोमासर का नाम चल रहा मगर वो जिले के कोने में है। ऊडसर भी अंतिम छोर है। ऐसे में नए मुख्यालय की तलाश पूरी नहीं हुई तो श्रीडूंगरगढ़ ही मुख्यालय रहेगा। इसके साथ ही जिले में अभी तक करीब 366 ग्राम पंचायतें हैं और अब इसमें 25 से 30 नई पंचायतें बनेंगी।

ऐसे में ग्राम पंचायतों की संख्या पौने चार से चार सौ के बीच हो जाएगी। नई चार पंचायत समितियां मिलाकर 13 पंचायत समितियां हो जाएंगी। जिन ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन या पुनर्सीमांकन किया जाना प्रस्तावित नहीं है उनके नोटिस भी नए प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए प्रकाशित किए जाएंगे। 18 फरवरी तक जिला कलेक्टर ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के प्रस्ताव तैयार कराएंगे।

छात्राओं को योजनाओं की जानकारी

श्रीगंगानगर । समाज कल्याण विभाग की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बालिकाओं के हित में संचालित योजनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. बलवंत सिंह चौहान और महिला प्रकोष्ठ प्रभारी कविता शर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में महिला अधिकारिता विभाग की अधिकारी सुप्रिया बरावड़ ने बालिकाओं के हित में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से दी। कार्यक्रम की श्रृंखला में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर की ओर से निर्देशित अहिल्याबाई होल्कर फाइनेंशियली लिट्रेसी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलेक्ट्रेट पार्क में धरना शुरू

- विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने भी अपने आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी

श्रीगंगानगर । एडवोकेट और सहायक सांख्यिकी अधिकारी के बीच विवाद में अब बार एसोसिएशन की ओर से अन्य संगठनों को शामिल करने की बात कही जा रही है। वहीं विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने भी अपने आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है।

छह फरवरी को दोनों पक्षों की ओर से परस्पर मुकद्दमे दर्ज करवाने के बाद आंदोलन तेज हो गया है। बुधवार तक कार्य स्थगन के बाद अधिवक्ताओं ने गुरुवार को भी वर्क सस्पेंड का निणन्य लिया है। बार एसोसिएशन की ओर से सहायक सांख्यिकी अधिकारी विनोद गुप्ता को सस्पेंड कर गिरफ्तार करने की मांग की जा रही है।

इधर, कर्मचारी संगठन विनोद गुप्ता से मारपीट करने वाले अधिवक्ताओं को गिरफ्तार कर उनके लाइसेंस सस्पेंड करने की मांग पर अड़े हुए हैं। अधिवक्ता को हाजरी माफी देने की छूट का समय सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक है। गुरुवार को सुबह 11 बजे अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पार्क में इकट्ठे होंगे और शाम पांच बजे तक धरना लगाएंगे। बुधवार को शाम पांच बजे तक कलेक्ट्रेट पार्क में धरना लगाया गया। प्रेस सचिव सुमेश शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष जसवंत भादू, उपाध्यक्ष विनोद सिंवर, सचिव अशोक सैनी की अगुवाई में धरना हुआ। इस मौके पर सभा को कई अधिवक्ताओं ने संबोधित किया। अधिवक्ताओं ने इस मामले में प्रशासन के रुख पर असंतोष जताया और कहा कि कार्मिक को बचाने की कोशिश हुई तो प्रशासन के खिलाफ भी आंदोलन किया जाएगा। इसे लेकर अधिवक्ता प्रेटी सिंह की ओर से प्रशासन के खिलाफ शिकायत मुख्यमंत्री को की गई।

बुधवार को कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रखा। जिला संयोजक सीताराम ने बताया कि कर्मचारी संगठन मामले में शामिल अधिवक्ता को गिरफ्तार कर लाइसेंस निरस्त करने की मांग कर रहे हैं।

गुरुवार को बैठक में महासंघ अध्यक्ष श्याम गोस्वामी, शिक्षा विभाग से सुरेश नागर, संभागीय अध्यक्ष सिंचाई गुरविंद्र सिंह, नर्सिंग एसोसिएशन अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, पंचायती राज विभाग अध्यक्ष पंकज, कृषि पर्यवेक्षक संयुक्त समन्वय समिति के जिला संयोजक अशोक कलवानियां मौजूद रहे।

सार्वजनिक निर्माण विभाग का भ्रमण

श्रीगंगानगर । पीएमश्री विद्यालय की योजना (नागरिकता कौशल, संवैधानिक मूल्य एवं भारत का ज्ञान) के अंतर्गत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मटका चौक श्रीगंगानगर की 50 छात्राओं ने स्थानीय कार्यालय पीडब्यूडी का भ्रमण किया। पीडब्यूडी के अधिशाषी अभियंता श्री विजय कुमार मीणा द्वारा बच्चों को पीडब्यूडी के समस्त संगठन व कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई और छात्राओं को अपने समय का सदुपयोग करते हुए विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। कनिष्ठ अभियंता अंकुर शर्मा द्वारा छात्राओं को पीडब्यूडी से संबंधित कार्य व नागरिक कौशल, संवैधानिक मूल्य एवं अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी व समुदाय के प्रति अपने कर्तव्य को विद्यार्थी जीवन में ही इन गुणों के साथ आत्मसात कर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

नोखा में जिला कलक्टर और एसपी का दौरा

नोखा, क्षेत्र में गुरुवार को जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर ने दौरा किया। अटल सेवा केंद्र में आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 28 मामले सामने आए, जिनमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, वृद्धावस्था पेंशन, अतिक्रमण, यातायात व्यवस्था और उज्ज्वला योजना से जुड़ी समस्याएं प्रमुख थीं।

जिला कलक्टर ने सभी मामलों में नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था को गंभीरता से लेने और मामलों का निचले स्तर पर ही निस्तारण करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान पंचायत समिति के निर्माणाधीन प्रशासनिक भवन का निरीक्षण भी किया गया, जिसे जल्द ही गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। शुक्रवार को होने वाले पंचायत राज संस्थाओं के उपचुनाव को देखते हुए रोड़ा में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। जिला कलक्टर ने राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए भयमुक्त और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कृषकों को मिलेगा 60 प्रतिशत अनुदान

- चार हजार सोलर पंप संयंत्र स्थापना की ऑनलाइन पत्रावलियां आमंत्रित
- तीन, पांच, साढ़े सात हॉर्स पावर पर अनुदान देय

बीकानेर । जिले में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाओं के मद्देनजर उद्यान विभाग द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) कम्पोनेंट 'बी' के तहत कृषकों को हाईटेक सिंचाई के लिए तीन, पांच व साढ़े सात हॉर्स हॉर्स पम्प क्षमता तक स्टैण्ड अलोन सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

योजना का उद्देश्य ऐसे कृषक, जिनके पास सिंचाई के लिए कृषि विद्युत कनेक्शन नही हैं एवं सिंचाई के लिए डीजल चलित संयंत्र अथवा अन्य वैकल्पिक साधन पर निर्भर हैं, उन्हें सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र अनुदान पर उपलब्ध करवाया जाना है।

उपनिदेशक (उद्यान) रेणु वर्मा ने बताया योजना का लाभ लेने के लिए कृषक के पास न्यूनतम 0.4 हैक्टेयर का भू-स्वामित्व होना आवश्यक है। अधिसूचित अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के जनजाति किसानों के लिए 3 व 5 हॉर्स क्षमता के पम्प संयंत्रों हेतु न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर का भू-स्वामित्व होना आवश्यक है। कार्यदायी फर्म द्वारा तकनीकी सर्वे के आधार पर पम्प क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। तकनीकी सर्वे के अनुसार कृषक द्वारा आवेदित पम्प क्षमता में बदलाव किया जा सकेगा। वांछित योजना में प्रगति देने हेतु फरवरी अंत तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिससे पूर्व आवंटित लक्ष्य 7 हजार में से शेष 4 हजार लक्ष्य को समय पर पूर्ण किया जा सके। कृषि अधिकारी (उद्यान) मुकेश गहलोत ने बताया कि अनुदान के लिए किसानों को राज किसान साथी पोर्टल पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाईन आवेदन करना है। आवेदन के साथ कृषक का जनआधार कार्ड, भूमि की जमाबंदी या पासबुक की प्रतिलिपि (भू-स्वामित्व), सिंचाई जल स्त्रोत ऑनलाईन स्वघोषित, विद्युत कनेक्शन न होने का शपथ ऑनलाईन स्वघोषित इत्यादि ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है। स्टेण्ड अलोन सौर ऊर्जा पम्प परियोजना में पीएम कुसुम कम्पोनेंट बी के तहत 60 प्रतिशत (30 प्रतिशत केन्द्रीय मद तथा 30 प्रतिशत राज्य मद) अनुदान देय होगा। योजना के तहत अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के कृषकों को राज्य मद से 45 हजार रुपए प्रति कृषक प्रति संयंत्र अतिरिक्त अनुदान देय है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 7.5 एचपी क्षमता तक के सौर ऊर्जा संयंत्रों पर ही अनुदान का प्रावधान किया गया है। यदि कृषकों द्वारा इससे अधिक क्षमता का 10 एचपी का पम्प स्थापित करवाया जाता है, तो समस्त अन्तर राशि कृषक द्वारा वहन ही वहन की जाएगी। कृषक द्वारा कृषक हिस्सा राशि कुल लागत का शेष 40 प्रतिशत राशि स्वयं वहन की जाएगी।

मुनिगणों का आशीर्वाद मिला

- तेरापंथ के वरिष्ठ मुनि कमल कुमार ने शिवा बस्ती में प्रस्तावित तेरापंथ भवन के लिए स्थान देने व भवन बनाकर देने की घोषणा करने वाले भामाशाह पूनमचन्द मंजूदेवी बोथरा परिवार को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कही

बीकानेर । जो व्यक्ति अपने समाज के लिए सोचता है व करता है वह अपने कृतव्य को पूरा करता है। यह बात तेरापंथ के वरिष्ठ मुनि कमल कुमार ने शिवा बस्ती में प्रस्तावित तेरापंथ भवन के लिए स्थान देने व भवन बनाकर देने की घोषणा करने वाले भामाशाह पूनमचन्द मंजूदेवी बोथरा परिवार को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कही।

गंगाशहर के शिवा बस्ती में प्रस्तावित तेरापंथ भवन के स्थान पर मंगल प्रवचन में फरमाते हुए उग्रविहारी तपोमुर्ति मुनि कमल कुमार स्वामी ने कहा कि गंगाशहर के श्रावक श्राविकाओं मे सेवा भावना बहुत है। गंगाशहर सेवाकेन्द्र में विराजित साध्वियां बताती है कि हमें यहां किसी भी चीज की कमी नहीं है यहां गुरूदेव के प्रताप से सब सताकारी है। यहां के श्रावकों में सेवा की प्रबल भावना रहती है। गंगाशहर की भूमि सेवा भावना से ओत प्रोत भूमि है। मुनि श्री ने आज यानी पूर्णिमा के दिवस को बहुत पावन बताया और दो के संयोग की बात बताई। मुनिश्री ने बताया कि आज मेरा और मुनिश्री श्रेयांस कुमार जी स्वामी का दिक्षा दिवस है हम दोनो की साथ दिक्षा हुई थी। मुनिश्री ने उस स्थान की मिट्टी को देखकर कहा कि आज तो आनन्द की अनुभूति हो रही है कि आज हम मखमल पर बैठे है। मुनिश्री ने कहा कि जो सुख शान्ति में मिलता है वो सुख किसी पदार्थ में नहीं मिलता है। शान्ति से सुख मिलता है। त्याग का सुख शास्वत है। अपने क्षेत्र की गरिमा बढाने का कार्य करते रहना चाहिए।

प्रवचन में मुनि कमल कुमार जी ने कहा कि गुरू कृपा में बडा॰ बल होता है। हमें गुरु दृष्टि की आराधना करनी चाहिए। गंगाशहर का साध्वी सेवा केन्द्र अभी भारत में, तेरापंथ धर्म संध में सबसे बड़ा केन्द्र है। इस केन्द्र में रहने की, चिकित्सा की पूर्ण व्यवस्था है। गंगाशहर के श्रावकों में आहार प्रदान करने की उतकृष्ट भावना रहती है। साधू घर बार छोड़ता है, परन्तु भाग्य तो उनका उनके साथ ही रहता है। तेरापंथ साधू - साध्वी आहार के लिए श्रावकों को फोन नही करवाते।सुमति कुमार ने कहा कि जीवन दो प्रकार का होता है संयमी जीवन और असंयमी जीवन। आज कमल कुमार जी और मुनिश्री श्रेयांस कुमार जी स्वामी का संयमी जीवन का दिवस है। आज ही के दिवस पर दोनों ने एक साथ दिक्षा ग्रहण की थी। मुनिश्री ने कहा कि शिवा बस्ती के श्रावक श्राविकाओं की भावना फलित हो गई. वर्षों से उनके मन में तेरापंथ भवन के लिए भावना थी इस भावना को मुनिश्री कमल कुमार जी स्वामी की प्रेरणा से पूनमचन्द जी मंजूदेवी बोथरा ने इस भावना को फलित कर दिया।

ट्रेन का एक फेरा बढ़ाया

श्रीगंगानगर । महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुश खबर है। श्रीगंगानगर से बरौनी के लिए स्पेशल ट्रेन का रेलवे प्रबंधन ने एक फेरा बढ़ाया है। अब 15 फरवरी को भी यह ट्रेन श्रीगंगानगर से बरौनी के लिए रवाना होगी। इससे पूर्व रेलवे ने 21 को श्रीगंगानगर से बरौनी के लिए एक ट्रिप ट्रेन संचालन का निणन्य लिया था, लेकिन अब श्रीगंगानगर-बरौनी-श्रीगंगानगर दो ट्रिप ट्रेन का संचालन होगा और क्षेत्र के श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज जा सकेंगे। रेलवे प्रबंधन ने श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए श्रीगंगानगर से श्रीगंगानगर-बरौनी-श्रीगंगानगनर महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का एक फेरा भी बढ़ाया है। 21 फरवरी के अलावा अब 15 फरवरी को भी गाड़ी संख्या 04723, श्रीगंगानगर-बरौनी महाकुंभ मेला स्पेशल रेलसेवा का संचालन श्रीगंगानगर से किया जाएगा। यह ट्रेन श्रीगंगानगर से 15 फरवरी दोपहर 3.35 बजे रवाना होकर दूसरे दिन जयपुर स्टेशन पर सुबह 03.30 बजे आगमन व 03.40 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 09.00 बजे बरौनी पहुंचेगी।